B.A Part-I (Hons)
Paper II
By-Dr. Ramendra Kr. Singh
D.K. College, Dumraon

मन के आकारात्मक पक्ष
(TOPOGRAPHICAL ASPECT OF MIND)

असामान्य मनोविज्ञान के इतिहास में सिगमण्ड फ्रायड (Sigmund Freud) वह प्रकाश स्तंभ है, जहाँ से अनेक अभिनूतन विचारधाराओं की प्रस्फुटन का मार्ग प्रशस्त होता है। फ्रायड के अनुसार असामान्यता और मानसिक रोगों के पीछे मनोवैज्ञानिक कारकों का हाथ होता है और इसका पूर्णतः उपचार भी मनोवैज्ञानिक विधियों से ही संभव है। फ्रायड ने मानसिक रोगों की उपचार के लिये मनोविश्लेषण विधि (Psychoanalysis therapy) की प्रतिपादन की।

फ्रायड के अनुसार मानसिक रोग मनोवैज्ञानिक कारणों से होते हैं और उपचार भी मनोवैज्ञानिक प्रविधियों से होना चाहिये। इनके अनुसार व्यक्ति के असामान्य व्यवहारों के पीछे अचेतन की दमित इच्छाएँ, मानसिक संघर्षों एवं उलझनों का हाथ होता है, जिसे समझने के लिये मन (Mind) और उसके विविध पहलुओं को जानना आवश्यक है। इसके लिये उन्होंने मन की दो भागों पहलुओं को बताया।-

मन

(क) मन का आकारात्मक पहलू (Topographical aspect of mind)

(ख) मन का गत्यात्मक (पहलू) (Dynamic or Structure of Mind)

मन का आकारात्मक पहलू :-

मन का आकारात्मक पक्ष से तात्पर्य मन के उस भाग से है जहाँ मन की गत्यात्मक शक्तियाँ Id, Ego, Super Ego अवस्थित होती है। यानि यह गत्यात्मक शक्तियों का संघर्ष स्थल है। CHAPLIN के अनुसार ——

"आकारात्मक पक्ष से मन के उस भाग का बोध होता है, जहाँ Id, Ego, Super Ego का स्थान होता है।"
इसी प्रकार रैबर के अनुसार "आकारात्मक पक्ष में मन की संघर्षमय शक्तियाँ गतिशील होती हैं।"

फ्रायड के अनुसार मन के आकारात्मक पक्ष के तीन स्तर (भाग) होते हैं।:-

मन के आकारात्मक पक्ष के स्तर

(1) चेतन (Conscious) (2) अर्द्धचेतन (Sub Conscious) (3) अचेतन (Unconscious)

① चेतन ->

चेतन मन का वह भाग है जहाँ ऐसी विचारें या बातें रहती हैं जिसका ज्ञान उस व्यक्ति को होता है। यानि चेतन मन का सम्बन्ध Present Mind से होता है। उदाहरण के लिये परीक्षा दे रहे विद्यार्थी जब किसी प्रश्न का उत्तर लिख रहा होता है तो वह Present Mind से Recall होती है। उसके मन में वह उत्तर रहता है। दूसरे शब्दों में यहाँ पर सभी विद्यमान बातें और सूचनाओं का तात्कालिक ज्ञान व्यक्ति विशेष को रहता है।

फ्रायड के अनुसार चेतन मन मानसिक पहलू का सबसे छोटा भाग है। इसकी दूसरी विशेषता यह है कि इसका सम्बन्ध वास्तविकता (Reality) से होता है।

इसकी प्रमुख विशेषताएँ :-

(1) इसका सम्बन्ध वास्तविकता से होता है।
(2) यह मन का सर्वाधिक छोटा भाग है।
(3) यह अर्द्धचेतन एवं अचेतन पर प्रतिबन्ध लगाता है।
(4) यहाँ जो सूचनाएँ होती हैं उसका तुरंत Recall एवं Recognition किया जा सकता है।
(5) यहाँ सभी विचार रहते हैं लेकिन कठोर प्रतिबन्ध (Censorship)

Scanned with CamScanner

(6) यह आदर्शों का भंडार होता है।

अर्द्धचेतन (Subconscious) :-

यह बीच का हिस्सा होता है। अर्थात न तो पूर्णतः चेतन होता है और न तो पूर्णतः अचेतन ही होता है। यहाँ पर वैसे विचार या भाव रहते हैं जिन्हें थोड़ा प्रयास कर Present Mind में लाया जा सकता है।" इसीलिए इसे Available Memory भी कहा जाता है। जैसे - बाजार से कोई सामग्री खरीदने जाते हैं पर वहाँ जाकर याद नहीं आते हैं कि क्या लेना है फिर थोड़ा प्रयास करने पर अचानक याद आ जाता है कि आलू खरीदना है।

विशेषताएँ :- मन के इस भाग कि निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :-

(i) अर्द्धचेतन मन अचेतन मन से थोड़ा बड़ा होता है।
(ii) यह अचेतन से छोटा होता है।
(iii) यह चेतन एवं अचेतन के मध्य का भाग है।
(iv) यह दोनों के बीच पुल का काम करता है।
(v) यह चेतन एवं अचेतन के बीच के संघर्षों के समाधान में मध्यस्थता का काम करता है।
(vi) थोड़ा सा प्रयास करने पर यहाँ चुपचाप पड़े विचार पुनः चेतना में आ जाते हैं।

अचेतन (Unconscious)

फ्रायड द्वारा प्रतिपादित मन के पहलू से सम्बन्धित विचारधारा की सबसे महत्वपूर्ण भाग Unconscious Mind है। अचेतन मन मन का सबसे बड़ा भाग है ब्राउन (1960) के अनुसार :-

"अचेतन मन का वह भाग है जिसमें ऐसे विचार या मानसिक क्रियाएँ रहती हैं, जिसका प्रत्याह्वान व्यक्ति स्वेच्छा से नहीं कर पाता है। या तो वे स्वतः प्रवृत्त होती है या उन्हें सम्मोहन या अन्य प्रयोगात्मक प्रविधियों से जाना जाता है।"

Scanned with CamScanner

फ्रायड के अनुसार अचेतन मन में अतृप्त कामुक असामाजिक एवं अनैतिक विचार रहते हैं। ऐसे विचार जागृत अवस्था में या दैनिक जीवन में पूरा नहीं हो पाते हैं क्योंकि समाज का भय होता है और चेतन मन इनके तृप्ति की इजाजत नहीं देता है। अतः वे Unconscious Mind में चली जाती हैं। वहा थोड़ी देर के लिये निष्क्रिय हो जाती है, लेकिन चेतना में आने के लिये प्रयास रहती हैं। प्रतिबन्ध से बचने के लिये रूप बदलकर चेतना में प्रवेश कर जाती हैं और अपनी अतृप्त इच्छाओं को तृप्त कर लेती हैं। इन विचारों की तृप्ति स्वप्न के माध्यम से होती है। इसीलिए फ्रायड ने अचेतन के अस्तित्व को प्रमाणित करते हुए कहा है। —

"Dreams are the royal road to unconscious"

प्रायः यह देखा गया है कि हम अपनी दैनिक जीवन में ऐसी भूलें करते हैं, जिसकी चेतना उन्हें नहीं रहती है। अतः दैनिक जीवन की भूलें, सम्मोहन, घबराहट आदि की अवस्था में व्यक्ति प्रकटीकरण करता है।

अचेतन मन की विशेषताएँ :-

(i) यह मन का सबसे बड़ा भाग है।
(ii) इसमें अनैतिक विचार रहते हैं।
(iii) इनका प्रकटीकरण स्वप्न या सम्मोहन या घबराहट की अवस्था में होता है।
(iv) इनका स्वरूप गत्यात्मक होते हैं।
(v) अचेतन की इच्छाएं व्यक्ति के नियंत्रण से बाहर होती हैं।
(vi) अचेतन की इच्छाएं छद्म भेष बदलकर प्रकट होती हैं।
(vii) यह Id प्रवृत्तियाँ भरी रहती हैं तथा Pleasure Principle से निर्देशित होता है। ये अनैतिक एवं अतार्किक होती हैं।

इस प्रकार फ्रायड ने Topographical aspect of mind की तीन स्तर बताये हैं जो हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Scanned with CamScanner